vinetur

चिली के वाइन उद्योग को 2026 में बिक्री 4%-5% घटने की आशंका

माल ढुलाई लागत में कमी और निर्यात बाजारों में स्थिरता से 2027 बेहतर हो सकता है, जिसमें ब्राजील मांग का नेतृत्व करेगा

रविवार, 22 नवंबर 2026



चिली के वाइन उद्योग को 2026 में एक और मुश्किल साल की आशंका है और बिक्री 4%-5% घट सकती है। हालांकि, व्यापार संगठन Vinos de Chile के अध्यक्ष Alfonso Undurraga के अनुसार, माल ढुलाई लागत कम होने और प्रमुख निर्यात बाजारों में उतार-चढ़ाव घटने से 2027 का परिदृश्य अधिक स्थिर हो सकता है।

शनिवार, 21 नवंबर को प्रकाशित एक साक्षात्कार में Undurraga ने कहा कि क्षेत्र ने 2026 की शुरुआत बेहतर स्थिति में की थी। पहली तिमाही मजबूत रही और इससे सुधार की उम्मीदें बढ़ी थीं। उनके मुताबिक, मार्च में यह रुझान बदल गया, जब ईरान से जुड़े तनाव के कारण तेल की कीमतें और परिवहन लागत बढ़ गईं। इससे ऐसे कारोबार को नुकसान हुआ जो विदेशों में शिपमेंट पर काफी निर्भर है और पहले से ही वैश्विक स्तर पर वाइन की कमजोर खपत का सामना कर रहा है।

देश के कृषि अध्ययन एवं नीतियों के कार्यालय के हवाले से दिए गए आंकड़ों के अनुसार, चिली उत्पादन की मात्रा के लिहाज से अपनी लगभग 80% वाइन का निर्यात करता है। इस निर्भरता के कारण वहां की वाइनरी माल ढुलाई की कीमतों, मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव और विदेशों में मांग में बदलाव के प्रति खास तौर पर संवेदनशील हैं। Undurraga ने कहा कि मौजूदा मंदी उद्योग में उनके देखे सबसे लंबे और गंभीर संकट का हिस्सा है। इसमें खपत में नरमी के साथ कुछ उपभोक्ताओं का कम अल्कोहल वाले पेय पदार्थों की ओर व्यापक रुझान भी शामिल है।

इसके बावजूद, उन्होंने कहा कि इस संकट से बड़े पैमाने पर कारोबार बंद नहीं हुए हैं। कई वाइनरियों ने पुनर्गठन, छोटे स्तर पर परिचालन और अन्य बदलावों के जरिए जवाब दिया है, जबकि पूरी तरह बंद होने और दिवालिया होने के मामले सीमित रहे हैं। चिली की वाइन आपूर्ति शृंखला में उत्पादकों, अंगूर उगाने वालों और वितरकों के लिए यह अंतर मायने रखता है, क्योंकि वे कई वर्षों से दबाव में हैं।

Undurraga ने कहा कि कई निर्यात बाजारों ने गिरावट का असर कम करने में मदद की है। उनके अनुसार, ब्राजील सबसे उल्लेखनीय गंतव्य बनकर उभरा है और अब चिली का सबसे बड़ा बाजार है। कई पारंपरिक बाजारों में कमजोरी के बावजूद वहां वृद्धि जारी है। कनाडा ने भी उद्योग को चौंकाया है। उन्होंने कहा कि कनाडा और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव के चलते वहां अमेरिकी वाइन की मौजूदगी घटने से चिली को फायदा हुआ। उनके मुताबिक, 2025 में वृद्धि सबसे तेज रही और पिछले 12 महीनों में कनाडा में चिली की वाइन की बिक्री अब भी 7% बढ़ी।

रूस ने भी कुछ हद तक गिरावट की भरपाई की है, हालांकि इसकी सीमाएं हैं। Undurraga ने कहा कि यूक्रेन में युद्ध के कारण रूस की खरीद यूरोप के कई आपूर्तिकर्ताओं से दूर हुई और 2026 में रूस को चिली के वाइन निर्यात में 27% की वृद्धि हुई। लेकिन उन्होंने कहा कि वहां कम कीमत वाली वाइन का बाजार प्रमुख है। इसलिए इसका सबसे ज्यादा लाभ चिली के कम कीमत वाले उत्पादकों को हुआ, न कि उस प्रीमियम वर्ग को जिसका विस्तार उद्योग करना चाहता है।

यह रुझान चिली की निर्यात स्थिति में दिखने वाली व्यापक गतिविधि को दर्शाता है। दुनिया के चौथे सबसे बड़े वाइन निर्यातक चिली को कमजोर आर्थिक दौर में कभी-कभी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने का लाभ मिल सकता है, क्योंकि उसकी वाइन आम तौर पर फ्रांस, इटली और स्पेन की वाइन से कम कीमत पर बिकती है। मंदी के समय उपभोक्ता अक्सर पूरी श्रेणी छोड़ने के बजाय कम कीमत वाले विकल्प चुनते हैं। व्यापक पेय कारोबार के लिए चिली पर नजर रखना इसलिए अहम है : चिली के वाइन निर्यात में बदलाव से प्रमुख शराब बाजारों में कीमतों, प्रचार और दुकानों की शेल्फ पर जगह पर असर पड़ सकता है, जबकि व्यापार विवाद मांग को एक आपूर्तिकर्ता से हटाकर दूसरे की ओर मोड़ सकते हैं।

भारत फिलहाल तत्काल वृद्धि का स्रोत नहीं, बल्कि दीर्घकालीन लक्ष्य बना हुआ है। Undurraga ने कहा कि चिली ने इस बाजार को विकसित करने में भारी निवेश किया है, लेकिन 150% का शुल्क अब भी प्रगति को सीमित करता है। उनके मुताबिक, चिली सरकार एक मुक्त व्यापार समझौते पर काम कर रही है, जिसे 2026 में या उसके तुरंत बाद पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसा होने पर भी नतीजे आने में समय लगेगा, क्योंकि देश के स्पिरिट्स बाजार का आकार बड़ा होने के बावजूद कई भारतीय उपभोक्ताओं के लिए वाइन पीना अभी नियमित आदत नहीं है।

उन्होंने इसकी तुलना चीन के शुरुआती विकासक्रम से की, जहां चिली के साथ व्यापार समझौते ने पांच साल के भीतर उसे शीर्ष 10 निर्यात बाजारों में पहुंचाने में मदद की थी। उनके अनुसार, भारत को इससे अधिक समय लग सकता है। उन्होंने कहा कि 2027 में उद्योग मांग में उछाल की उम्मीद नहीं कर रहा, लेकिन अंतरराष्ट्रीय व्यवधान कम होने पर बाजार के अधिक व्यवस्थित रहने की अपेक्षा है।

Undurraga ने कहा कि 2027 में ब्राजील से सकारात्मक संकेत मिलते रहने चाहिए। उन्होंने मेक्सिको, कोलंबिया, पेरू और वेनेजुएला को भी ऐसे बाजार बताया जहां मौजूदा स्तर से वृद्धि की गुंजाइश है। उनके मुताबिक, यूक्रेन में युद्ध समाप्त होने और यूरोपीय प्रतिस्पर्धा लौटने पर रूस का बाजार कमजोर पड़ सकता है, हालांकि इसका असर मुख्य रूप से कम कीमत वाले खंड पर होगा।

व्यापक परिदृश्य पर उन्होंने कहा कि उद्योग पर पहले से मौजूद दबावों के अलावा कोई नया बड़ा खतरा उभरता नहीं दिख रहा। उन्होंने तेल की घटती कीमतों को माल ढुलाई दरें कम होने की उम्मीद का एक कारण बताया और कहा कि उद्योग को आशा है कि अमेरिकी राजनीति और व्यापार नीति को लेकर अनिश्चितता कम होगी। उनका मुख्य आकलन था कि मौजूदा हालात का सामान्य होना ही 2027 को 2026 से बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त होगा ; मांग में उछाल जरूरी नहीं।

Undurraga ने यह भी कहा कि चिली को विदेशों में अपनी वाइन के प्रचार पर अधिक खर्च करना चाहिए। उनके मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय प्रचार के लिए सार्वजनिक सहायता कुल मिलाकर केवल लगभग US $1 million है, जो दुनिया के तीन सबसे बड़े वाइन निर्यातकों द्वारा खर्च किए जाने वाले US $50 million से कहीं कम है। उन्होंने पहली बार Vinexpo Explorer की मेजबानी करने में चिली की भूमिका का उल्लेख किया। इस आयोजन में लगभग 30 देशों से 50 खरीदारों के आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस तरह का व्यावसायिक मंच देश की छवि बेहतर बनाने और निर्यात के ऑर्डर हासिल करने में मदद कर सकता है।

घरेलू बाजार में भी, उनके अनुसार, वर्षों से घटती खपत और बदलती पीने की आदतों के बाद उद्योग को अपनी जगह फिर से मजबूत करनी होगी। चिली के उत्पादकों के लिए चुनौती अब केवल मंदी का सामना करने तक सीमित नहीं है। उन्हें ऐसे पेय बाजार में वाइन की स्थिति भी बनाए रखनी है जहां उपभोक्ताओं के पास अधिक विकल्प हैं, वे कीमतों को लेकर अधिक संवेदनशील हैं और कई मामलों में पारंपरिक तरीके से वाइन पीने में उनकी रुचि एक दशक पहले के मुकाबले कम है।